जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

6 जून 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के अर्थशास्त्र विभाग ने इंडियन सोसाइटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स (आईएनएसईई) के सहयोग से इंटर गवर्नमेंटल पैनल ओं क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) रिपोर्ट 6 के लेखकों द्वारा "डिमांड साइड सलूशंस फॉर मिटिगेटिंग क्लाइमेट चेंज" पर विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के उपलक्ष्य में एमएस टीम मंच पर 5 जून, 2023 को एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

प्रख्यात पैनलिस्ट थे लीला निमिर (इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एप्लाइड सिस्टम्स एनालिसिस, ऑस्ट्रिया में ट्रांसफॉर्मेटिव इंस्टीट्यूशनल एंड सोशल सॉल्यूशंस रिसर्च ग्रुप और सस्टेनेबल सर्विस सिस्टम्स रिसर्च ग्रुप के साथ रिसर्च स्कॉलर) और केइगो अकिमोटो (ग्रुप लीडर, सिस्टम एनालिसिस ग्रुप और चीफ रिसर्चर, रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड) इनोवेटिव टेक्नोलॉजी फॉर द अर्थ, और विशेष रूप से नियुक्त प्रोफेसर, इंस्टीट्यूट ऑफ इनोवेटिव रिसर्च, टोक्यो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जापान)। इस कार्यक्रम का संचालन जॉयश्री रॉय (संस्थापक निदेशक, सेंटर ऑन साउथ एंड साउथ ईस्ट एशिया मल्टीडिसिप्लिनरी एप्लाइड रिसर्च नेटवर्क ऑन ट्रांसफॉर्मिंग सोसाइटीज ऑफ ग्लोबल साउथ, एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, थाईलैंड और सदस्य, INSEE) द्वारा किया गया था।

कार्यक्रम की सह-अध्यक्षता जामिया के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर अशरफ इलियान और सेंटर फॉर न्यू डिप्लोमेसी एंड ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, कोलकाता के निदेशक नीलांजन घोष और आईएनएसईई के अध्यक्ष ने की। प्रोफेसर नंदन नॉन, अर्थशास्त्र विभाग, जामिया और सदस्य, INSEE कार्यक्रम के समन्वयक थे।

डॉ. घोष ने अपने परिचयात्मक संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन विकासात्मक अधिक है और एक पर्यावरणीय समस्या कम है। उन्होंने समस्या के समाधान के लिए मांग पक्ष मिटिगेशन के माध्यम से अंतःविषय दृष्टिकोण की वकालत की।

प्रो. रॉय ने 1.5ºC पर अंतिम रिपोर्ट सहित IPCC द्वारा रिपोर्ट का परिचय प्रदान किया। उन्होंने उल्लेख किया कि पहली बार आईपीसीसी आकलन रिपोर्ट में मांग पक्ष के उपायों को शामिल किया गया था जिसके कई सह-लाभ हैं। उन्होंने ऊर्जा की खपत के असमानता पहलुओं पर जोर दिया- कैसे उच्च सामाजिक-आर्थिक स्थिति कम सामाजिक-आर्थिक स्थिति वाले लोगों की तुलना में बहुत अधिक उत्सर्जन में योगदान करती है।

डॉ. निमिर ने मांग-पक्ष न्यूनीकरण के लिए कारकों के तीन सेटों की पहचान की: सामाजिक-सांस्कृतिक, ढांचागत डिजाइन और तकनीकी। प्रत्येक के लिए, उन्होंने ऊर्जा उपयोग में कमी पर उदाहरणों के साथ विस्तृत व्याख्या प्रदान की। तीन कारकों में से प्रत्येक के तहत डिजिटलाइजेशन, शेयरिंग इकोनॉमी और सर्कुलर इकोनॉमी की संभावनाओं से उदाहरण लिए गए।

प्रो. अकिमोटो ने राइड-एंड-कार शेयरिंग, वर्चुअल मीटिंग और टेलीवर्किंग, ई-प्रकाशन, रीसाइक्लिंग और परिधानों में कमी जैसे कदमों को अपनाने के मामले में, दुनिया भर में क्षेत्रों में संभावित ऊर्जा मांग में कमी को साझा किया।

पैनल चर्चा के बाद प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया। जामिया के अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर नॉन ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

एक अन्य कार्यक्रम में सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोशल एक्सक्लूजन एंड इनक्लूसिव पॉलिसी, जामिया ने विश्व पर्यावरण दिवस 2023 मनाने के लिए नॉम चॉम्स्की कॉम्प्लेक्स, गेट नंबर 19, जामिया के लॉन में पौधारोपण अभियान का आयोजन किया। परिसर में और उसके आसपास हरा-भरा, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए निदेशक प्रो. अरविंदर अंसारी, संकाय सदस्य, कर्मचारी और केंद्र के छात्र जो परिसर को पर्यावरण के अनुकूल बनाने योगदान करेंगे। यह हमारे पर्यावरण और पारिस्थितिकी को संरक्षित करने की आवश्यकता के प्रति छात्रों को संवेदनशील बनाने में भी मदद करेगा। इस अवसर पर लगाए गए अधिकांश पौधे हर्बल पौधे हैं, जो छात्रों को अपने आसपास के वातावरण को हरा-भरा और स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करते हैं और हर्बल पौधों के महत्व को भी समझाते हैं।

कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी छात्रों ने कार्यक्रम में अपनी रुचि व्यक्त की और सुझाव दिया कि स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए इस तरह के अभियान नियमित अंतराल पर आयोजित किए जाने चाहिए। इससे सभी ने पर्यावरण के लिए कुछ अच्छा करने के लिए आंतरिक शांति महसूस की।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया